>

Title: Need to develop the site of Kesariya Buddhist Stupa in East Champaran district of Bihar and connect it with the Buddhist circuit besides providing facilities for increasing tourist inflow in the region.

श्रीमती रमा देवी (शिवहर): उत्तर बिहार में हमारे पूर्वजों की अपार धरोहर दबी पड़ी है जिस पर अब तक 30 प्रतिशत उत्खनन कार्य ही किया गया है। केसरिया जो पूर्वी चम्पारण में स्थित है, यहां स्थित बौद्ध स्तूप का संरक्षण कार्य असंतोषजनक है। बिहार की भूमि अहिंसा का संदेश देती है। यदि केसरिया के उत्खनन को योजनाबद्ध ढंग से किया जाये तो इतिहास में बिहार के प्रेम एवं अहिंसा की कर्म भूमि के और प्रमाण मिलेंगे। विश्व विख्यात गया की तरहकेसरिया को विदेशी पर्यअक का आकर्षण केन्द्र बनाया जा सकता है। केसरिया में कार्य बंद होने एवं अधूरे कार्यसे कियेगये संरक्षण कार्य दिन–प्रतिदिन नष्ट हो रहे हैं। उक्त क्षेत्र केपास एक जलाशय का होना प्रतीत होता है जिसे आम जन गेंगया के नाम सेपुकारते हैं। इस भू भाग का अधिग्रहण भी नितांत आवश्यक है एवं इसे जलाशय बनाया जाये मध्य में कमल पुष्प स्थापित किया जाये, जिससे इस बौद्ध स्तूप की सुंदरता को बढ़ाया जा सके। इस क्षेत्र में आने जाने के साधन भी सुलभ होने चाहिए। इसी स्थान पर रानीवास अर्थात् बौद्ध विहार एवं इसके निकट गौरही स्थान में परीक्षण स्तरीय उत्खनन किया जाये जिससे उस समय में समाएं मिट्टी में बंद पड़े इतिहास को उजागर किया जा सके।

मेरा अनुरोध है कि केसरिया बौद्ध स्तूप पर पहुंचने के लिए सत्तरघाट गंडक नदी पर पुल बनाया जाये, केसरिया को बौद्ध पर्यटन से जोड़ा जाये, एक जल मीनार बनाया जाये। इसके निकट जो एक बड़ा झील है उसमें विदेशी पक्षी प्रवास स्थल बनाया जाये एवं जन सुविधायें प्रदान की जायें।